वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 47 | बुधवार 11 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कैंसर पीड़ित बच्चों से मिलीं वसुंधरा राजे

बोलीं- धैर्य और हौसले से कैंसर को हराया जा सकता है

जयपुर. कासं

जयपुर में प्रतापनगर स्थित कविता कैंसर केयर सेंटर में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कैंसर पीड़ित बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बच्चों और उनके परिजनों का हौसला बढ़ाया। राजे ने कहा कि कोई लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं होता। उन्होंने कैंसर को एक लड़ाई बताते हुए कहा कि हिम्मत से इस बीमारी को हराया जा सकता है। उनके साथ आरयूएचएस के पूर्व कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी भी मौजूद थे। बालाजी चैरिटेबल ट्रस्ट और सेंट ज्यूड चाईल्ड केयर इंडिया द्वारा संचालित इस अस्पताल में सिर्फ बच्चों के कैंसर का इलाज किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अस्पताल के हर वार्ड का दौरा किया। वहां भर्ती प्रदेशभर के 48 बच्चों और उनके परिजनों से मिलीं। राजे ने कहा कि ताकत, शक्ति, प्रार्थना और समय पर इलाज से कैंसर को हराया जा सकता है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि यहां बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी रहकर इलाज करवा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी पेंटिंग्स दिखाई और अपने हाथ से बनाया बैग उपहार स्वरूप दिया।

मोनिन कॉफी क्रिएटिविटी कप-2025 का जयपुर में हुआ समापन

जयपुर. कासं। भारत में कैफे संस्कृति और शिल्प-कला आधारित पेयों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच मोनिन कॉफी क्रिएटिविटी कप 2025 का राष्ट्रीय फाइनल जयपुर में संपन्न हुआ। देशभर के प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में हुई क्षेत्रीय चयन प्रक्रियाओं के बाद भारत के श्रेष्ठ बारिस्टा जयपुर में एकत्रित हुए, जहां उन्होंने अपनी रचनात्मकता और कौशल से निर्णायकों को प्रभावित किया। इस वर्ष प्रतियोगिता की थीम ''अल्केमी ऑफ फ्लेवर्स'' ए फ्यूजन ऑफ मोनिन एंड एक्स्क्विजिट कॉफी रही जिसके तहत प्रतिभागियों को मोनिन के विभिन्न फ्लेवर्स का उपयोग करते हुए एस्प्रेसो आधारित मॉकटेल तैयार करनी थी। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनकी रचनात्मकता, स्वाद संतुलन, प्रस्तुति और अवधारणा की स्पष्टता के आधार पर किया। इस प्रतियोगिता का राष्ट्रीय विजेता सितंबर 2025 में मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में होने वाले एशिया फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। विजेता की घोषणा जल्द ही होगी।

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर प्रेरणा दिवस मनाया

विधायक पूनिया बोले- सचिन पायलट की बदौलत राजनीति में मौका मिला, वे युवाओं को आगे लाए

जयपुर. कासं। शौर्य मरुधर फाउंडेशन ने मंगलवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में स्वर्गीय राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रेरणा दिवस मनाया। कार्यक्रम के दौरान राजेश पायलट के सैनिक और राजनीतिक जीवन से जुड़े प्रेरणादायी किस्सों को याद किया गया। साथ ही कार्यक्रम में शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष एवं संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा नौजवान पीढ़ी को राजेश पायलट की जीवनी से सीखने को मिलता है। उनके कदमों पर चलकर आज अनेक देश के युवा साथी उनकी जीवन शैली को जिंदा रखे हुए हैं। आज हम सब लोग आपके बीच में राजनीति में सेवा कर रहे हैं। यह मौका अगर हमें मिला है तो उनके सुपुत्र सचिन पायलट की बदौलत मिला है, जो देश और राज्य में युवाओं को राजनीति की अग्रिम पंक्ति में लाने का मौका दे रहे हैं। फाउंडेशन के अध्यक्ष महेंद्र सिंह खेड़ी ने कहा कि राजेश पायलट दूरसंचार क्रांति के जनक थे। उन्होंने युवाओं को नीति निर्माण की मुख्यधारा में लाने का प्रयास शुरू किया। उसे आज सचिन पायलट आगे बढ़ा रहे हैं। उनका मानना था कि जब तक सैनिक, किसान और गरीब के बच्चे सत्ता में भागीदारी नहीं करेंगे, तब तक देश का सपना अधूरा रहेगा।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के चुनाव संपन्न

संजीव वर्मा को राष्ट्रीय महामंत्री चुना गया

पुष्कर. शाबाश इंडिया। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के पंचवर्षीय अधिवेशन और चुनाव पुष्कर में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत और राजस्थान सरकार में मंत्री और पुष्कर से विधायक सुरेश सिंह रावत, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, नानू राम कुमावत आमंत्रित रहे और माननीय विधायकों और गणमान्य अतिथियों ने कार्यकारिणी को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। रामेश्वर बंबोरिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष, रूपसिंह कारगवाल, विमल कुमावत को मुख्य सलाहकार, डॉ जयनारायण जूनवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संजीव वर्मा को राष्ट्रीय महामंत्री युवा प्रकोष्ठ निर्वाचित किया गया।

सी.आर.डी. ए.वी. गर्ल्स कॉलेज में मेधावी यूनिवर्सिटी टॉपर छात्राओं को किया सम्मानित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज, ऐलनाबाद में आज एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन ईश कुमार मेहता, गवर्निंग बॉडी के सदस्यजगदीश मेहता, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टरडॉ करुण मेहता, और प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में, बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जसमन, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सुप्रिया, और नौवां स्थान प्राप्त करने वाली राजिंदर कौर को सम्मानित किया गया। बी.एससी नॉन-मेडिकल तृतीय सेमेस्टर में प्रथम रैंक हासिल करने वाली रमन ,बी.कॉम पंचम सेमेस्टर में द्वितीय रैंक प्राप्त करने वाली नैंसी, और बी.एससी पंचम सेमेस्टर में पांचवीं और छठी रैंक हासिल करने वाली मुस्कान और प्रभजोत को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, बी.एससी प्रथम सेमेस्टर में छठी रैंक प्राप्त करने वाली दीपकरण और बी.एससी तृतीय सेमेस्टर में छठी रैंक हासिल करने वाली रांझू रानी को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, चेयरमैन ईश कुमार मेहता ने छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं से कड़ी मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का आह्वान किया। सम्मानित हुई छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय सीआरडीएवी कॉलेज और उसके समर्पित स्टाफ सदस्यों को दिया, जिन्होंने उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। इस सम्मान समारोह में। डॉ. करुण मेहता, कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर दीपशिखा मेहता, इंदु कामरा, डॉ. प्रभजोत कौर, शैफी, मुनीषा, अर्जुन सिंह और अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

13 साल की प्रसिद्धि शाह दुबई में हुई सम्मानित

शिक्षा, सेवा और संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन से बढ़ाया जयपुर का नाम

हीरा चन्द बैद. शाबाश इंडिया

दुबई/जयपुर। यूएई के शारजाह में आयोजित 30 वें शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में दिल्ली प्राईवेट स्कूल शारजाह की कक्षा आठ की भारतीय छात्रा प्रसिद्धि शाह को विगत वर्षों में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, लीडर शिप, समाज सेवा आदि क्षेत्रों में अर्जित किए गए पुरस्कारों, प्रमाण पत्रों, विशिष्ट योगदान व साक्षात्कार के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात में शिक्षा जगत के सर्वोत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तेरह वर्षीय प्रसिद्धि ने शिक्षा, सामाजिक योगदान और रचनात्मकता में शानदार प्रदर्शन कर निर्णायकों को प्रभावित किया। इस समारोह का आयोजन शारजाह की प्राईवेट एजुकेशन अथारिटी द्वारा किया गया था जिसमें 1460 छात्रों में से केवल 51 को विजेता चुना गया। प्रसिद्धि शाह को शारजाह एजुकेशन आथोरेटी के चैयरमेन डा. मुहदिथा अल-हाशिमी ने प्रशस्ति पत्र, ट्रोफी एवं नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष शारजाह के शेख व सुप्रीम काउंसिल के सदस्य डा.सुल्तान बिन मौहम्मद अल कासिम द्वारा प्रदान किया जाता है। प्रसिद्धि की यह उपल्बिध न सिर्फ उनके परिवार अपितु पूरे भारत और सकल जयपुर जैन समाज के लिए गौरव की बात है।

सेवा, संस्कृति और साहित्य में अद्भुत योगदान

अथारिटी के सचिव दीपक राज जैन ने बताया कि प्रसिद्धि शाह सर्वोदय अहिंसा, एवं अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन बापू नगर जयपुर के मार्गदर्शक डा. नितेश शाह एवं अनुश्री शाह की सुपुत्री। डा. शाह डीपीएस - शारजाह में हिन्दी विभागाध्यक्ष है और अनुश्री भी शिक्षिका है । दोनों ही शारजाह में जैन धर्म, हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में समर्पित व्यक्तित्व है।

कैंसर पीड़ितों के लिए सिर के बाल दान में, पांच पुस्तकें व यूट्यूब चैनल भी चलाती है:-

प्रसिद्धि ने सिर्फ पढाई में अव्वल है बल्कि समाज सेवा में भी आगे है । प्रसिद्धि ने कैंसर पीड़ितों के लिए अपने सर के 25 इंच बाल दान किए। वे कराटे, शतरंज एवं बैडमिंटन की कुशल खिलाड़ी भी हैं, इन्होंने अब तक पांच पुस्तकें भी लिखी है जो अमेजन पर उपलब्ध से ।जैन संस्कार टीवी नाम से यूट्यूब चैनल भी चलाती हैं जिसमें एक हजार से ज्यादा वीडियो है। दुबई स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित काव्यपाठ व भाषण प्रतियोगिता में वे हिंदी भाषा को गौरव दिला चुकी है।

आसना में लगा भाषा समर कैंप

आसना. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसना में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्देशित व राज्य सरकार द्वारा आदेशित सप्त दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर अतिरिक्त भाषा के रूप में गुजराती भाषा का चयन किया गया ।प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन ने बताया कि बालक बालिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। नोडल प्रभारी देवेश व शिक्षिका पुष्पा सोलंकी ने छात्र छात्राओं को शिक्षण करवाया। इस अवसर व लिपिक महेन्द्रसिंह राव का व ऑन लाइन में विकास पारासर का सहयोग प्राप्त हुआ। यह कैंप 10 जून से 16 जून तक आयोजित होगा।

मा अन्नपूर्णा रोगी सेवा संस्थान धामनोद ने जन सहयोग से जो वस्त्र सेवाधाम में दिए थे वह वस्त्र आज जरूरतमंद को वितरित किए गए

धामनोद. शाबाश इंडिया। नगर में सामाजिक सेवा में अग्रणी सेवा करने वाली मा अन्नपूर्णा रोगी सेवा संस्थान धामनोद ने सोशल मीडिया व प्रचार प्रसार कर वस्त्र संग्रह की मुहिम चलाई थी नगर के आस पास के इंदौर तक के भी सामाजिक सेवा करने वाले लोगों ने वस्त्र बिलकुल साफ स्त्री करे हुए वस्त्र महिला पुरुष युवक युवतियों व बच्चों के कपड़े सेवाधाम में देने आते थे उन वस्त्रों को व्यवस्थित रूप से आज शुद्रेल फाटे पर वस्त्रों की स्टाल लगाकर जा जन मजदूर भाइयों बहनों को बुलाकर वस्त्र वितरित किए इस दौरान रोगी सेवा संस्थान के अध्यक्ष दीपक प्रधान सहसचिव देवकरण पाटीदार अजय जैन सशी श्रीवास्तव कविता तोमर प्रभु स्वामी आदि उपस्थित थे आज लगभग 475 जन वस्त्र लेकर गए यह जानकारी सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष विजय नामदेव ने दी।

मुनि श्री को चातुर्मास हेतु श्रीफल समर्पित समर्पित किया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। आचार्य विद्यासागर जी एवं आचार्य समय सागर जी के शिष्य उदय नगर इंदौर में विराजमान मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी एवं मुनि श्री निष्पृह सागर जी महाराज को मिनी बुंदेलखंड के रूप में चर्चित छत्रपति नगर में पधारने एवं इस वर्ष 2025 का चातुर्मास मिनी बुंदेलखंड के नाम से चर्चित छत्रपति नगर में स्थापित करने हेतु श्री दिगंबर जैन आदिनाथ धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट छत्रपति नगर के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में समाज जनों ने श्रीफल समर्पित करते हुए निवेदन एवं अपनी भावना व्यक्त की। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि आपकी भावना गुरु भक्ति अच्छी है।इस अवसर पर छत्रपति नगर के डॉक्टर जैनेंद्र जैन, विपुल बांझल, कमल जैन, राकेश नायक, अखिलेश सोधिया, श्रुत जैन, संदीप जैन आलोक जैन एवं वीरेंद्र जैन आदि समाज जन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्तर पर 1-2 जुलाई को गिरनार जी में नेमिनाथ मोक्ष कल्याणक निर्वाण लड्डू महोत्सव

58वां गिरनार गौरव आचार्य निर्मल सागर दीक्षा महोत्सव मनाया जाएगा

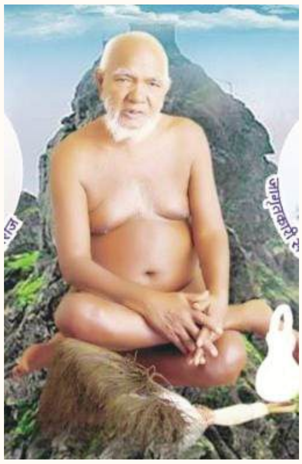

गिरनार (जूनागढ़). शाबाश इंडिया

विश्व शांति निर्मल ध्यान केंद्र ट्रस्ट के तत्वावधान में जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ जी का मोक्ष कल्याणक 2 जुलाई 2025 को परम पूज्य मुनि श्री धरसेन सागर जी महाराज, मुनि श्री अजितसेन महाराज व निर्मल ध्यान ज्ञान केन्द्र गिरनार के पीठाधीष 105 क्षुल्लक जी श्रीसमर्पण सागर जी महाराज के पावन निर्देशन में, अधिष्ठात्री ब्र . शान्ताबेन, अधिष्ठाता ब्र सुमति भैय्या जी के सानिध्य व निर्देशन में, समोशरण मंदिर ,विश्व शांति निर्मल ध्यान केंद्र गिरनार जी में नेमिनाथ निर्वाण महोत्सव समिति के संयोजन में मनाया जाएगा ।पीठाधीश क्षुल्लक श्री समर्पण सागर जी महाराज साहब के मार्गदर्शन में ट्रस्टी एवं महोत्सव समिति के अध्यक्ष पारस जैन बज , अभिनन्दन अधिष्ठाता ब्र. सुमति भैया जी के अनुसार 1 जुलाई को प्रातः 7:30 बजे ध्वजारोहण के साथ महोत्सव प्रारंभ होगा, तत्पश्चात विशाल रथ यात्रा समवशरण मंदिर जी से निर्मल ध्यान केंद्र तलहटी तक जाएगी। जहां 22 फुट उत्त‌ंग भगवान नेमिनाथ जी की मनमोहक प्रतिमा जी का महामस्तकाभिषेक होगा , दोपहर को 2:30 बजे परम पूज्य गिरनार गौरव समाधिस्थ श्री निर्मल सागर जी महाराज का 58 वॉ दीक्षा महोत्सव के अवसर पर पूजन, मंगल प्रवचन, आरती आदि कार्यक्रम होंगे रात्रि 8.30 बजे आचार्य भक्ति व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

2 जुलाई को प्रातः गिरनार यात्रा व समवशरणः मंदिर में दोपहर को धर्मसभा का आयोजन जिसमें मोक्ष कल्याण पर विशेष प्रस्तुति, सम्मान समारोह, निर्वाण कांड पढ़कर सिद्ध लाडू, अरिहंत लाडू, आचार्य लाडू , उपाध्याय लाडू, सर्वसाधु लाडू, नेमीप्रभु लाडू समर्पित किए जाएंगे तत्पश्चात महोत्सव समिति के परम संरक्षक एवं निर्मल ज्ञान ध्यान केन्द्र के अध्यक्ष सोभागमल कटारिया, अध्यक्ष पारस जैन बज, ऋषभ जैन, रतन पाटनी आदि पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का सम्मान सत्कार किया जायेगा। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि उक्त राष्ट्रीय महोत्सव में देश के विभिन्न प्रांतो से विद्वान, श्रेष्ठि व युवा पहुंच रहे हैं, इस अवसर पर विश्व जैन संगठन के नेतृत्व में दिल्ली से निकली विशाल धर्म पदयात्रा भी गिरनार पहुंच रही है, सभी मिलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांति के साथ भगवान नेमीनाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाएंगे। निर्वाण महोत्सव के अवसर पर पहाड़ पर पहली टोंक पर मंदिर जी एवं तलहटी पर निर्मल ध्यान केन्द्र स्थित भगवान नेमीनाथ की उत्तंग प्रतिमा तथा तलहटी प्रांगण में स्थित बंडी धर्मशाला मंदिर जी में मूलनायक भगवान नेमिनाथ जी के सामने निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

वेद ज्ञान

मन बच्चे की तरह होना चाहिए

भौतिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न होता है मनुष्य। वह इन शक्तियों को प्रयोग में ला सकता है। उनके उचित प्रयोग द्वारा वह वांछित परिणामों को पा सकता है। बाल्यावस्था में शरीर मन के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। मन अधिक सुगमतापूर्वक शरीर से अपने आदेशों का पालन करवा सकता है। बाद में जब बच्चे में विभिन्न आदतों का विकास हो जाता है, तो मन और शरीर पहले की भांति सामंजस्य के साथ कार्य नहीं करते हैं। एक बच्चे की तरह हमारा शरीर मन के नियंत्रण में होना चाहिए। शरीर केवल संवेदनाओं का एक पुंज है। संवेदनाओं को अपने से अलग करना आसान नहीं है, लेकिन हमें निरंतर इस चेतना में रहना चाहिए कि आत्मा के रूप में परमात्मा हमारे साथ हैं। जब मन, शरीर एवं उसकी मांगों के पूर्णतः अधीन होता है, जैसे कि अधिकतर लोगों के साथ होता है, तो मन को शरीर से अलग करने का अभ्यास करना चाहिए। आरंभ में धीरे-धीरे छोटी-छोटी वस्तुओं से मन को अलग करना उत्तम होता है। दिव्य चेतना में आपको यह अनुभव होता है कि आत्मा रूप में आपके कोई हाथ, पैर, आंखें अथवा कान नहीं हैं और न ही आपको इन शारीरिक अंगों की आवश्यकता है, फिर भी आप इन शारीरिक अंगों का उपयोग कर सकते हैं। केवल मानसिक शक्ति के द्वारा सुनना, देखना, सूंघना, चखना एवं स्पर्श करना संभव है। अनेक संत ईश्वर की वाणी अपने कानों से नहीं अपने मन से सुनते हैं। चेतना की ऐसी अवस्था काल्पनिक नहीं है, बल्कि एक वास्तविक अनुभव है। यह आपका अनुभव नहीं हो सकता, जब तक कि आप ध्यान न करें। यदि आप अत्यधिक भक्ति के साथ ध्यान करें, तो किसी दिन जब आपको इसकी तनिक-सी भी आशा नहीं होगी, आपको भी वही अनुभव होगा। ज्ञान एवं इच्छा तन एवं मन को नियंत्रित करती हैं। ज्ञान आत्मा का अंतर्ज्ञानात्मक सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान है। युद्ध के समय लक्ष्य-दूरी मापक यंत्र को यह निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है कि गोला कहां दागना है। जब दूरी का पता चल जाता है, तो बंदूकें प्रभावशाली ढंग से चलाई जा सकती है।

संपादकीय

मणिपुर में फिर से हिंसा बेहद खतरनाक

मणिपुर में कुछ दिनों की शांति के बाद फिर से हिंसा भड़क उठी है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं सड़कों पर सुरक्षा बलों का सख्त पहरा है। कई इलाकों में निषेधाज्ञा लागू है और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। इससे पहले भी राज्य को कई मर्तबा हिंसा की त्रासदी झेलनी पड़ी है। इस बार हिंसा का प्रत्यक्ष कारण भले ही मैतेई समुदाय के एक नेता समेत पांच लोगों की गिरफ्तारी है, लेकिन इसके तार वर्ष 2023 में हुई जातीय हिंसा से ही जुड़े हुए हैं। सवाल है कि जातीय आधार पर लोगों के गुस्से का ज्वार आखिर शांत क्यों नहीं हो रहा है? लोगों को भावनात्मक रूप से भड़काने के पीछे कौन है ? ऐसी क्या वजह है कि लोग किसी सामान्य घटना को भी समुदाय से जोड़ लेते हैं और सड़कों पर उतर कर उग्र व्यवहार करने लगते हैं? मणिपुर में वर्ष 2023 से जातीय संघर्ष चल रहा है। तब से हिंसा में कई लोगों की जान जा चुकी है और मैतेई और कुकी दोनों ही समुदायों के हजारों लोगों को विस्थापन का दर्द भी झेलना पड़ा है। हिंसा का सिलसिला जारी रहने की वजह से एन बीरेन सिंह को इस साल फरवरी में मुख्यमंत्री पद गंवाना पड़ा था। उसके बाद से यहां राष्ट्रपति शासन लागू है। तब से राज्य में हिंसा की कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। माना जा रहा था कि अब हालत सामान्य हो रहे हैं। मगर राज्य के सिर पर शांति का यह सेहरा ज्यादा दिन तक नहीं टिक पाया। दरअसल, सीबीआई ने गत रविवार को मैतेई संगठन अरंमबाई तेंगोल (एटी) के सदस्य कानन सिंह को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा चार अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हुई। इन सब पर वर्ष 2023 में हुई हिंसा से संबंधित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि आरोपी कानन सिंह मणिपुर पुलिस में हेड कांस्टेबल था, लेकिन उसे मार्च 2025 को हथियारों की तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए। इस पूरे घटनाक्रम में गौर करने वाली बात यह है कि अगर किसी व्यक्ति पर हिंसक एवं आपराधिक घटनाओं में संलिप्त होने के आरोप में कार्रवाई होती है, तो इसे समुदाय विशेष से जोड़ कर क्यों देखा जा रहा है। जांच के जरिए इस बात का पता लगाने की जरूरत है। कि कहीं कोई लोगों की भावनाओं को भड़का कर अपने निजी स्वार्थ हासिल करने की कोशिश तो नहीं कर रहा है? साथ ही प्रशासनिक अमले और जनप्रतिनिधियों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे जन आक्रोश को शांत करने के लिए संबंधित लोगों के साथ तत्काल संवाद कायम करें। प्रदर्शनकारियों को भी यह बात समझनी होगी कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। अगर उनके नेता पर लगे आरोपों को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो न्यायपालिका पर विश्वास रखना चाहिए। सड़कों पर उत्पात मचाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से कुछ हासिल नहीं होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

रिश्तों का खून

मेघालय में हुए हनीमून मर्डर के पीछे की जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं, उन्हें लेकर समाज में न केवल गहरी चिंता, बल्कि नाराजगी का भी आलम है। एक दुल्हन जिसका विवाह मात्र सात दिन पहले हुआ था, उसने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की साजिश रच डाली! तीन अपराधियों से अनुबंध किया और पति की हत्या के बाद खुद भाग खड़ी हुई। कुछ दिन फरार रहने के बाद उसने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में तब समर्पण किया, जब हत्या के अन्य तीन आरोपी पकड़े गए। तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे, पर अब लगभग साफ हो चुका है कि सोची-समझी साजिश के तहत हत्या को अंजाम दिया गया है। इससे कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं ? मूलभूत सवाल तो यही है कि हमें रिश्तों पर कितना यकीन करना चाहिए ? पति- पत्नी के रिश्ते में जो बुनियादी यकीन और समझदारी चाहिए, वह क्या धीरे-धीरे छीजने लगी है? एक समय था, जब नए जोड़े को कुछ दिनों तक लोग घर से नहीं निकलने देते थे, पर व्यक्तिगत आजादी के दौर में एक चलन हनीमून का भी आया। अब अगर हनीमून के दौरान हत्या की नौबत आने लगे, तो हनीमून का क्या मतलब रह जाएगा ? हनीमून तो दूल्हा और दुल्हन के लिए एक-दूसरे को जानने-समझने का अवसर है। वैसे रिश्तों में एक-दूसरे को जानना एक सतत प्रक्रिया है। राजा रघुवंशी तो अपनी पत्नी सोनम को समझने की कोशिश में लगे थे, पर सोनम के इरादे शायद पहले से ही नेक नहीं थे। अब यहां एक बड़ा सवाल है कि सोनम को जब किसी और से प्यार था, तो उसने राजा रघुवंशी से विवाह क्यों किया ? अगर किसी मजबूरी में विवाह करना ही पड़ा, तो उसके बाद भी सोनम के पास शादी से किनारा करने का मौका था। हनीमून के लिए खुद मेघालय को चुनना और वहां पहुंचकर हत्या को अंजाम देना निर्ममता ही नहीं, अक्षम्य अपराध है। आज युवाओं को सबक लेते हुए वाज़िब ढंग से मुखर होना चाहिए। उनके पास अपनी बात रखने और मनवाने के अनेक उपाय व साधन हैं, पर पता नहीं क्यों युवा कई बार उचित कदम उठाने से चूक जाते हैं? एक सवाल यह भी खड़ा हुआ है कि क्या आज के युवाओं के पास सच्चे दोस्तों का टोटा हो गया है? क्या आज युवा ऐसे लोगों के संपर्क में नहीं हैं, जो उन्हें निःस्वार्थ सही सलाह दे सकें? यहां केवल सोनम का नहीं, उनके परिजनों का भी कुछ दोष है, जो सोनम के मन और मानसिकता को समय रहते समझ न पाए। अनेक परिवारों में पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी पर अपनी मर्जी थोपने से बाज नहीं आती है। वास्तव में, यह हत्याकांड पति-पत्नी के रिश्ते के बीच ही नहीं, बल्कि परिवार के अंदर भी सामान्य तालमेल की कमी का भयावह परिणाम है। पति-पत्नी के बीच बुनियादी समझ तो होनी ही चाहिए, ताकि दोनों एक-दूसरे को कम से कम किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचाएं। दोनों अपने और परिवार के स्नेह व सम्मान की रक्षा के लिए सचेत हों। दोनों समाज के लिए ताकत व समाधान बनें, कमजोरी या समस्या नहीं। रिश्ते ठीक से निभाने की कोशिश वास्तव में इंसानियत है, जिसे भूलना नहीं चाहिए। गीतकार साहिर लुधियानवी का वह प्रसिद्ध गीत हर किसी के ध्यान में रहना चाहिए, जो आज अनायास मौजूं हो गया है वो अफसाना जिसे अंजाम तक लाना ना हो मुमकिन / उसे एक खूबसूरत मोड़ देकर छोड़ना अच्छा। राजा और सोनम का अफसाना जिस बदसूरत या खौफनाक अंजाम तक पहुंच गया, वैसा फिर किसी के साथ न हो, इसके लिए हमें कोशिश करनी चाहिए।

आचार्य वसुनंदी के आह्वान के पोस्टर का विमोचन

युवाओं को संस्कारवान बनाएं: नाम के साथ जैन लिखाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान के प्रेरणा श्रोत आचार्य श्री वसु नंदी मुनिराज द्वारा समाज की ज्वलंत समस्याओ पर दिए गए संदेश और आह्वान को रविवार को जयपुर के त्रिवेणी नगर में विराजित आर्यिका प्रशान्त मति माताजी ने समाज के समक्ष रखते हुए कहा कि सभी अपने नाम के साथ जैन अवश्य लिखे तथा आगे से बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र में जैन ही लिखवाए। इसी क्रम में संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार उपाध्याय श्री वृषभा नंद महाराज ने झाझीरामपुरा में चल रहे पंचकल्याण की धर्म सभा में समाज की समस्याओ को सत्य परक रखा तथा आज लुप्तता की और बढ़ते जैन धर्म के लिए संस्थान द्वारा विमोचन कराए जा रहे पोस्टर की और ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा की युवाओं को संस्कारवान बनाने ,व समय पर विवाह करने के साथ ही आज जनसंख्या बढ़ाने हेतु चार चार बच्चों को जन्म देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धर्म के कालम में जैन लिखा जाए तथा इस पोस्टर का प्रचार प्रसार पूरे राजस्थान ही नहीं देश भर में किया जाए। इस अवसर पर संस्थान के कार्याध्यक्ष अनिल जैन आई पी एस, कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया, महेश, सोभाग, ज्ञान चंद, राजेंद्र दौसा, प्रकाश, पुष्पा, दीपा, सुशीला, बीना आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी का समिति द्वारा सम्मान किया गया।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर प्रतिमा स्थापना दिवस पर कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

रवींद्र मंच पर रंगमंचीय ऊर्जा का भावपूर्ण संचार

जयपुर. शाबाश इंडिया

रवींद्र मंच, जयपुर पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी की प्रतिमा स्थापना दिवस को रंगमंच कलाकारों, बाल रंगकर्मियों और संस्कृति प्रेमियों ने श्रद्धा, उत्साह और रंगमंचीय गरिमा के साथ मनाया। जैसा की रवींद्र मंच पर 9 जून 1982 को टैगोर साहब की मूर्ति का अनावरण मूर्तिकार सुमहेंद्र जी द्वारा निर्मित, कला वर्त एवं त्रिमूर्ति के सौजन्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री राजस्थान शिवचरण माथुर द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी कलाकारों ने गुरुदेव की शिक्षाओं को स्मरण करते हुए मंच की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ रंग निर्देशक उमेश पंत ने गुरुदेव को नमन करते हुए भावपूर्ण शब्दों में प्रार्थना की। इस अवसर पर बाल कलाकारों – बबलेस सैनी, मौलिक सैनी और रौशन सैनी – ने भी अपनी उपस्थिति से आयोजन को संजीवनी दी। जिसने कार्यक्रम को भावनात्मक ऊंचाई दी। 'नाटकवाला कला मंच' आमेर की ओर से निदेशक ओम प्रकाश सैनी द्वारा एक विशेष लेख भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें गुरुदेव की मूर्ति स्थापना (9 जून 1982) के ऐतिहासिक महत्व, रवींद्र मंच की सांस्कृतिक विरासत और उसकी आज की स्थिति पर विचार साझा किए गए। लेख में अपील की गई कि इस अमूल्य धरोहर का संरक्षण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक रंगमंचीय संकल्प और गुरुदेव के प्रति श्रद्धा ज्ञापन के साथ हुआ। कलाकारों ने यह भी प्रस्ताव रखा कि भविष्य में इस आयोजन को और व्यापक रूप से मनाया जाये यह प्रयास हो ताकि जयपुर की सांस्कृतिक चेतना और रंग परंपरा सशक्त बनी रहे।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप की शुरूआत

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में सोमवार से भारतीय भाषा समर कैंप की शुरूआत हुई यह कैंप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत आयोजित किया जा रहा है इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को मातृभाषा के अलावा एक अतिरिक्त भारतीय भाषा में संचार कौशल विकसित करना है। केंद्र प्रभारी रंजीत कुमार के अनुसार सात दिन से इस कार्यक्रम में छात्रों को मलयालम भाषा सीखने का अवसर मिलेगा। मलयालम भाषा शिक्षिका वरना बीजू छात्रों को कुल 28 घंटे का प्रशिक्षण देगी। स्कूल के प्राचार्य आरसी मीणा ने बताया कि यह कार्यक्रम केंद्रीय विद्यालयों संगठन की एक विशेष पहल है इससे छात्रों में भारतीय भाषाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनका भाषा विकास होगा। भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन दिनांक 9 जून से 16 जून 2025 तक प्रतिदिन 4 घंटे का शिविर आयोजन किया जाएगा इस कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन दैनिक जीवन में काम आने वाली भाषा का ज्ञान वार्तालाप खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम चित्रकला एवं मनोरंजन कार्यों के साथ संपन्न कराया जाएगा।

नवरतन शीतल जल मन्दिर का अनावरण संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

ओसवाल भवन के बाहर मुख्य सड़क पर राहगीरों को तपती गर्मी में शीतल एवं स्वच्छ जल सुलभ कराने हेतु लगभग दो लाख पचास हजार रुपए की लागत का नवरतन शीतल जल मंदिर का अनावरण उदयपुर शहर के यशस्वी एवं लोकप्रिय विधायक तारा चन्द जैन के मुख्य आतिथ्य में किया गया। ओसवाल सभा अध्यक्ष तथा जेएसजी संस्कार ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने बताया कि ओसवाल भवन में बहुत वर्षों पूर्व जल मन्दिर चलता था परन्तु काफी वर्षों से बंद जल मन्दिर का जीर्णोद्धार कर इस जल मंदिर को पुनःशीतल जल मन्दिर के रूप मे चालू किया गया हैं। संस्कार ग्रुप की अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि यह जल मंदिर संस्कार ग्रुप के सचिव राजेश सामर के पिता सुरेन्द्र सिंह सामर निवासी अम्बामाता स्कीम ने अपनी धर्म सहायिका स्वर्गीय नवरत्न सामर की स्मृति में बनवाया। इस उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सामर परिवार के राजेश सामर, सुरेश सामर, मनीष सामर, सुनीता सामर,रेखा सामर एवं उपस्थित सभी अतिथियों का पगड़ी, माला व ऊपरना पहना कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में ओसवाल सभा के अध्यक्ष एवं संस्कार ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी, उपाध्यक्ष तूत्तक भानावत, सचिव आनंदी लाल बंबोरिया, सहसचिव मनीष नागोरी, कोषाध्यक्ष फतेहसिंह मेहता, प्रोफेशनल फोरम अध्यक्ष दिनेश कोठारी, वरिष्ठजन प्रकोष्ठ मंत्री करण सिंह कटारिया, अशोक मेहता, नवरत्न कोठारी, माया सिरोया, किरण पोखरना, डॉ प्रमिला जैन, सुमन कोठारी, किरण जैन, रश्मि पगारिया, पुष्पा कोठारी, कमला नलवाया, उमा कोठारी, रचिता मोगरा, अनीता गांधी, निर्मला सहलोत, सुभाष जैन, एवं संस्कार ग्रुप के पदाधिकारी सचिव जितेंद्र धाकड़, कोषाध्यक्ष किरण पोखरना, सह सचिव राजेश सामर, सुरेश सामर, मनीष सामर, सुनीता सामर,रेखा सामर, ललित धुप्या, हिम्मत जैन, फतेहसिंह मेहता,उमा कोठारी,परिषी कोठारी आदि सदस्यों की गरिमामई उपस्थिति रही। आभार फतेहसिंह मेहता ने ज्ञापित किया। संस्कार ग्रुप सचिव जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि इस जल मन्दिर से तपती गर्मी में राहगिर प्रतिदिन लाभान्वित होंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व जेएसजी सनशाइन संगिनी द्वारा तेईस दिवसीय योगा क्लासेज का सफल समापन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले जेएसजी सनशाइन संगिनी संस्था द्वारा आयोजित तेईस दिवसीय योगा क्लासेज का भव्य समापन हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को योग के लाभों के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।इस अवसर पर संस्था की प्रेसिडेंट सुनिता बाबेल ने कहा, ''यह आयोजन हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण था। हमें खुशी है कि बड़ी संख्या में लोगों ने इसमें भाग लिया और विभिन्न योगासनों का अभ्यास कर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजगता दिखाई।'' सेक्रेटरी ईशा कोठारी ने कहा, ''हमारे संगठन का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना है। इस आयोजन के माध्यम से हमने अपने उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।'' आयोजन में R2 Wellness की फिटनेस कोच राधिका हिंदवानी ने एक ऊर्जावान जुम्बा सत्र का संचालन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को फिटनेस के बारे में जानकारी दी और बताया कि जुम्बा कैसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लाने में मददगार हो सकता है।इसके साथ ही रंजना बाबेल ने व्यायाम और संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित व्यायाम और सही खानपान से हम अपने स्वास्थ्य को दीर्घकालिक रूप से बेहतर बना सकते हैं। तेईस दिवसीय इस योगा क्लास श्रृंखला के माध्यम से ना केवल योग के प्रति लोगों की रुचि बढ़ी, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। आयोजन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों ने इसे एक प्रेरणादायक और लाभदायक अनुभव बताया।

बंगीय हिन्दी परिषद में कबीर जयंती मनी

कोलकाता. शाबाश इंडिया। पश्चिम बंगाल की स्वनामधन्य संस्था 'बंगीय हिन्दी परिषद 'के तत्वावधान में कवि कल्प की गोष्ठी में क्रांतिकारी कवि व संत कबीर की जयंती मनायी गई। स्वागत वक्तव्य रखते हुए कवि कल्प संयोजक डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि संत कबीर के शब्द हमें याद दिलाते हैं कि सादगी का मतलब त्याग नहीं है, बल्कि प्रामाणिक रूप से और अपने मूल्यों के साथ सामंजस्य बिठाकर जीना है। डॉ मिश्र ने यह भी कहा कि सच्चा बदलाव भीतर से शुरू होता है। कबीर अपने की साहित्यिक विरासत में कथन शामिल है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ अभिज्ञात ने भी संत कबीर पर प्रकाश डाला और अपनी गंभीर रचना सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि शब्दाक्षर राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह ने 'सन्नाटे भी बोल उठेंगे। कुछ इस तरह से गजल पढ़ी कि श्रोताओं की तालियाँ बजती रही। विशिष्ट अतिथि चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी' और रणजीत भारती ने भी उत्कृष्ट रचना सुनाकर खूब वाहवाही बटोरीं। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदीप कुमार धानुक ने किया। संत कबीर पर जिन्होंने रचनाएं सुनायीं उनमें नन्दू बिहारी, कमल पुरोहित 'अपरिचित ', राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी ', कालिका प्रसाद उपाध्याय 'अशेष ', अविनाश चन्द्र पाण्डेय, डॉ सेराज खान 'बातिश ', मोहम्मद अय्यूब, गौरव केसरी, संगीता व्यास, चन्द्र भानु गुप्त 'मानव ',नन्दलाल सेठ 'रौशन ', नजीर राही, सहर मजिदी, मंजू तिलक, जीवन सिंह, नीलम झा, हिमाद्री मिश्र, जोया अहमद, डॉ शाहिद फरोगी, मुजतर इफ्तिखारी, श्वेता गुप्ता 'श्वेतांबरी, जतिब हयाल, प्रणति ठाकुर, शहनाज रहमत, डॉ अहमद मिराज, भारत भूषण शर्मा, भूपिंदर सिंघ 'बशर ' तथा संजय शुक्ल ने कविताएँ सुनाकर गोष्ठी को यादगार बनाया। इस गोष्ठी की खास बात यह रही कि सेंट जेवियर्स स्कूल के कुछ छात्र-छात्रा भी इससे जुड़े थे और संस्था की गतिविधियों से अवगत हुए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन 'अपरिचित' ने दिया।

प्रदीप कुमार धानुक (स्वतंत्र पत्रकार व कवि)

जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर नई दिशा-नई सोच ओथ सेरेमनी 2025-27 कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी ली ने सेवा की शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी दम्पत्ति सदस्यों की संस्था जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मुम्बई की 196 वीं शाखा जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के तत्वावधान में 'नई दिशा - नई सोच' स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।इस मौके पर सत्र 2025-27 के लिए निर्वाचित नई कार्यकारिणी ने सेवा की शपथ ली। संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि होटल सिग्नेट पार्क में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में ग्रुप अध्यक्ष सुशील-शालू बाकलीवाल , सचिव सुशील - कविता जैन, उपाध्यक्ष आशीष - मोनिका जैन, संयुक्त सचिव सुनील - रमा पाटनी, कोषाध्यक्ष अरुण -रेणू जैन तथा 15 कार्यकारिणी दम्पत्ति सदस्यों ने बंधुत्व से प्रेम एवं बंधुत्व के साथ सेवा का संकल्प लिया। इससे पूर्व सभी दम्पति सदस्यों ने विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का सामूहिक उच्चारण किया। अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल एवं सचिव सुशील जैन ने बताया कि भगवान मुनिसुव्रत नाथ के चित्र के समक्ष समाजसेवी डॉ ऋषभ - प्रियंका जैन एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ किया। रेखा पाटनी, अम्बिका सेठी एवं दीपा गोधा ने मंगलाचरण के रूप में णमोकार मंत्र है प्यारा..... नृत्य प्रस्तुति दी।इस

मौके पर भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व सांसद राम चरण बोहरा,उप महापौर ग्रेटर पुनीत कर्णावट गौरव मयी अतिथि , डॉ ऋषभ - प्रियंका जैन मुख्य अतिथि, युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाड़ी वाले अति विशिष्ट अतिथि,राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, जेएसजीआइएफ नार्दन रीजन संस्थापक चैयरमैन राकेश जैन,चैयरमैन राजीव पाटनी, चैयरमैन इलेक्ट सुभाष बज विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। निवर्तमान अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, पूर्व अध्यक्ष कमल वैद, मनीष बैद एवं दीपक गोधा सहित कार्यकारिणी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। अतिथियों ने सत्र 2025-27 की नई कमेटी के पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई।तथा नये पदाधिकारियों को पदों पर पदासीन किया। ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने अपने स्वागत उदबोधन में ग्रुप की स्थापना सन 2008 से अब की गई गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए शब्दों के माध्यम से सभी का स्वागत किया।निवर्तमान अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने अपने उदबोधन में नई टीम को पूरा सहयोग देने का विश्वास दिलाया। विशेष योगदान के लिए ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष विनोद -दीपिका जैन कोटखावदा, निवर्तमान अध्यक्ष चेतन - मीनू जैन निमोडिया, पूर्व अध्यक्ष कमल -मंजू वैद, मनीष -रचना बैद,दीपक -दीपा गोधा का सम्मान किया गया। अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल माधोराजपुरा ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में अपने कार्यकाल के प्रस्तावित सामाजिक, मानव सेवार्थ, धार्मिक एवं गेट टूगेदर प्रोग्रामों की संक्षिप्त जानकारी दी। अतिथियों ने जैन सोश्यल ग्रुप्स द्वारा की जा रही मानव सेवार्थ गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए नई टीम को बधाईयां दी। इससे पूर्व दोपहर 3.00 बजे से स्वागत रजिस्ट्रेशन के बाद दम्पत्ति सदस्यों एवं परिवार जनों ने मनोरंजक गेम्स का आनन्द लिया। इस मौके पर ग्रुप से जुड़े नये दम्पति सदस्यों का स्वागत के बाद परिचय सत्र में नये दम्पति सदस्यों ने अपना परिचय प्रस्तुत किया। ढोल नगाड़ो के साथ नाचते गाते नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को सभागार तक ले जाया गया। जहां नवीन कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह हुआ। संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि कार्यक्रम में मुकेश - शिल्पा पाटनी, नरेश - नीतू बाकलीवाल ने मुख्य संयोजक, रेखा - भाग चन्द पाटनी, नवनीत - ममता गोधा ने संयोजक एवं मनीष - श्वेता बाकलीवाल, त्रिलोक चन्द - आशिका जैन ने सहसंयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी। सचिव सुशील जैन टोडारायसिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन विनोद जैन कोटखावदा, चेतन जैन निमोडिया ,रेखा पाटनी ने किया। पुरस्कार वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष केदार शर्मा, अनिल शर्मा, नार्दन रीजन के मुख्य कोडीनेंटर नवीन जैन सहित समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन एवं ग्रुप दम्पत्ति सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विनोद जैन कोटखावदा
संस्थापक अध्यक्ष
जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर

मनोज साहूजी बने अध्यक्ष, सचिव प्रमोद पाटनी

उत्तमचंद ठोले जैन छात्रावास की कार्यकारिणी गठित

अध्यक्ष मनोज साहुजी

सचिव अँड प्रमोद पाटणी

उपाध्यक्ष विपीन कासलीवाल

उपाध्यक्ष शांतीलाल पहाडे

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र कचनेर द्वारा संचालित श्री उत्तमचंद जैन ठोले छात्रावास उस्मानपुरा की कार्यकारिणी का चयन हाल ही में किया गया। अध्यक्ष पद पर मनोज साहूजी व सचिव पद पर एड प्रमोद पाटनी, उपाध्यक्ष पद पर विपिन कासलीवाल, शांतिलाल पहाड़े, सदस्य पद पर विनोद लोहाड़े, अशोक अजमेरा, अशोक ठोले, पंकज पांडे, मनोज बड़जाते, स्वीकृत सदस्य पद पर एड विवेक काला, महेंद्र ठोले, वैभव काला, सुभाष चूडीवाल, नरेंद्र अजमेरा का चयन किया गया। बैठक की शुरूआत णमोकार महामंत्र से की गई। कार्यकारिणी का चयन विश्वस्थ मंडल के अध्यक्ष सुरेश कासलीवाल, उपाध्यक्ष संजय कासलीवाल, व्यवस्थापकीय संचालक भरत ठोले, विश्वस्त डीयू जैन, महेंद्र काले, सुभाष बोहरा, ललित पाटनी, प्रमोद कासलीवाल, रविंद्र खडकापुरकर, एड एमआर बडजाते, फूलचंद इंगलवार, कार्यकारिणी मंडल के अध्यक्ष सुनील पाटनी, सचिव निलेश काला के मार्गदर्शन में किया गया। नई कार्यकारिणी को चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कचनेर विश्वस्थ कार्यकारिणी मंडल व छत्रपति संभाजीनगर सकल जैन समाज की ओर से शुभकामनाएं दी गई हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज मुनिश्री पियूष सागरजी महाराज कुलचाराम तेलंगाना से नागपुर, कुंडलपुर, छतरपुर, सोनागिरजी, कानपुर, मुक्तेश्वर, बद्रीनाथ, ऋषिकेश, हरिद्वार, होते हुए लगभग 2800 किलोमीटर की अहिंसा संस्कार पदयात्रा पैदल पूरी करके गुरुदेव अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ का देश की राजधानी दिल्ली मे प्रवेश किया है। आज भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्कड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का सुबह का पदविहारश्री शांतिनाथ दिगम्बर जेन मंदिर, सेक्टर 16 अ, रोहिणी, दिल्ली सेश्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, G3/53, पाकेट 1, सेक्टर 11 ऋ रोहिणी, दिल्ली दुरी- 2.2-km के लिए होगा। विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि कोई भी काम का अन्दाज ऐसा रखो कि.. कोई अन्दाज भी ना लगा पाये, और काम हो जाये..! कोई भी कार्य करो तो बड़े इत्मीनान के साथ करो, उसमें कार्य भी होगा और थकान भी नहीं आयेगी। सूकून या आराम से कार्य करने पर थकावट नहीं होती और कार्य भी सम्पन्न हो जाता है। कोई भी कार्य को कर्तव्य समझकर करो,, उसे कष्ट या बोझ समझकर नहीं। एक मन्दिर बन रहा था कुछ मजदूर काम कर रहे थे। एक मजदूर से पूछा - भाई क्या कर रहे हो- ? मजदूर ने कहा - दिखता नहीं, अन्धे हो - मैं पत्थर तोड़ रहा हूँ। दूसरे मजदूर से पूछा - भाई क्या कर रहे हो- ? उसने कहा-मन्दिर बन रहा है, अपने खाने पीने की व्यवस्था के लिए कामना कर रहा हूँ। तीसरे मजदूर से पूछा - भाई क्या कर रहे हो- ? उसने कहा- भगवान का मन्दिर बन रहा है, सौभाग्य से मुझे यह कार्य करने का मोका मिला है,, इसलिए मैं पुण्य कमा रहा हूं। आप विचार करें, तीनों मजदूर एक ही काम कर रहे परन्तु तीनों के कार्य करने में जमीन आसमान सा अन्तर है। आप तीन में से कौन से व्यक्ति हैं, विचार करना...!

दिगंबर जैन महासमिति महिला आंचल इकाई चाकसू की प्रचार प्रसार मंत्री

श्रीमती बबली एवं आदिश्वर धाम के मेनेजर श्री नवल जैन

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

समस्त महिला अंचल की तरफ से
राजस्थान अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायकया
चाकसू इकाई अध्यक्ष रुचिका जैन
मंत्री रिंकल सोगानी
एवं समस्त महासमिति महिला इकाई

सम्मेद शिखरजी यात्रा अभियान

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा डडूका में संपर्क किया गया

डडूका. शाबाश इंडिया

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा 13.09.25से प्रायोजित प्रथम सम्मेद शिखरजी यात्रा अभियान हेतु संपर्क टीम का दिगंबर जैन समाज डडूका द्वारा आज स्वागत किया गया। टीम में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तथा यात्रा सह संयोजक अजीत कोठिया सम्मिलित हुए। दल का जैन समाज डडूका अध्यक्ष राजेश के शाह, पूर्व अध्यक्ष भरत जैन, मनोज के शाह, जैन युवा समिति डडूका अध्यक्ष अंकित डी शाह, सुधीर सेठ तथा राजेंद्र कोठिया ने माल्यार्पण एवं उपरणा ओढ़ा कर सम्मान किया। विपिन गांधी ने यात्रा पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश ओर शेष भारत से कुल 1008 यात्रियों का विशाल दल इतनी बड़ी संख्या में प्रथम बार फेडरेशन के बैनर तले यात्रा करेगा। इस अवसर पर यात्रा के बैनर का विमोचन भी किया गया। विपिन गांधी ने डडूका ओर आस पास के गांवों के लिए बैनर्स ओर आवेदन पत्र भी भेट किए। सभी से यात्रा हेतु 20 जून तक अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने आग्रह किया है। इस अवसर पर विपिन गांधी ने फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया के जन्मदिन पर फेडरेशन कि ओर से पगड़ी पहनाकर और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। टीम डडूका से नौगामा, कलिंजरा, कुशलगढ़ ओर बांसवाड़ा के लिए प्रस्थान कर गई।

जेएसजी महानगर द्वारा निःशुल्क सिलाई मशीन वितरण की गई

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के तत्वावधान में जैन सोश्यल ग्रुप महानगर द्वारा क्रिएचर फाउंडेशन के सहयोग से चलाये जा रहे स्किल डेवलपमेंट मिशन के अंतर्गत समाज की जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम रहा। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. राजीव-अंजू जैन रहे, जिन्होंने इस पहल को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर ग्रुप के अध्यक्ष सुशील कासलीवाल ने की। संयोजक नरेंद्र- स्वाति जैन, तथा समाजसेवी अर्जुन गुर्जर की सक्रिय सहभागिता से आयोजन को विशेष सफलता मिली ।इस अवसर पर क्रिएचर फाउंडेशन के सचिव कुलदीप सिंह ढिल्लों भी उपस्थित रहे और उन्होंने मिशन की आगामी योजनाओं की जानकारी दी ।इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। आयोजन को स्थानीय नागरिकों व लाभार्थियों से सराहना मिली।

मौरीशस निवासी नरेन्द्र-सरोज पाटनी का किया सम्मान

हीरा चन्द बैद. शाबाश इंडिया

जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन जयपुर का तीस सदस्यों का एक दल विदेश यात्रा की कड़ी में मोरीशस की यात्रा से कुशलतापूर्वक वापस जयपुर पंहूचने भट्टारक जी की नसियां में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन जयपुर के संस्थापक, वरिष्ठ समाजसेवी , बापू नगर निवासी स्व.श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी के वरिष्ठ पुत्र एवं मोरिशस निवासी नरेन्द्र कुमार पाटनी - श्रीमती सरोज के सम्मान में आयोजित इस समारोह का संचालन ग्रुप के मंत्री हीरा चन्द बैद ने किया। मोरिशस में यात्रा दल के सभी सदस्यों का नरेन्द्र पाटनी द्वारा स्वागत व अगुवानी की गई। नरेन्द्र पाटनी एवं इनके परिवार के सभी सदस्यों के स्नेह, सहयोग एवं समर्पण भाव से ही यात्रा दल ने कम समय में अधिक पर्यटक स्थलों का भ्रमण किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विदेश यात्रा के संयोजक धनु कुमार जैन ने यात्रा के संस्मरण सुनाते हुए पाटनी परिवार की जम कर प्रसंशा की। तालियों की आवाज के बीच नरेंद्र पाटनी, सरोज पाटनी को माला एवं साफा पहनाकर कर सम्मानित किया गया। यात्रा के शानदार प्रबंधन हेतु महेन्द्र कुमार को भी माला, साफा पहनाकर कर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । सभी यात्रियों की तरफ से डा.अनिल कुमार जैन (बापू नगर), ने सभी सहयात्रियों एवं पाटनी परिवार व यात्रा प्रबंधक की तारीफ करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। समारोह में कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार पाटनी भी उपस्थित थे। मोरिशस निवासी नरेन्द्र पाटनी ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोरिशस भ्रमण पर आने वाले सभी साधर्मियों का स्वागत है। पूर्व सूचना पर यात्रा के लिए समुचित व्यवस्था में सहयोगी रहेंगे।

राजस्व मंत्री विजय सिह चौधरी ने कपड़े की थेली मेरी सहेली का किया विमोचन

कुचामन. शाबाश इंडिया

महावीर इन्टरनेशनल कुचामन सिटी द्वारा पर्यावरण जन जाग्रति अभियान के पर्यावरण रक्षा हेतु सिंगल युज प्लास्टिक को उपयोग नही कर अन्य विकल्पो (स्टील व काच के उपकरण) कपडे की थेली मेरी सहेली को अपनाने के लिए पगल्या वाले बालाजी धाम नावा मे संस्था गवर्निंग काऊंसलिग सदस्य वीर सुभाष पहाडिया, पर्यावरण जाग्रति अभियान के बैनर का विमोचन करते राजस्व उप निवशन सेनिक कल्याण विभाग मंत्री विजयसिह चोधरी, महंत रामेश्वर दास जी संयोजक बाबुलाल दुबलदिया समाजसेवी मनोज गगवाल महावीर इन्टरनेशनल के ग्रवनिग कोउसंलिग सदस्य वीर सुभाष पहाडिया पर्यावरण जागृति अभियान के सयोजंक वीर रतनलाल मेधवाल वीर तेजकुमार बडजात्या कोषाध्यक्ष वीरसुरेश कुमार जैन व प्रधान प्रतिनीधि एडवोकेट राजैश गुजर, भाजपा जिला मंत्री पुजा कुमावत, सत्यनारायण लढा, पुर्व सरंपच चुन्नीलाल माली महेन्द्र पारीक, तहसीलदार रामेश्वर लाल गढवाल, बंसत अग्रवाल, पत्रकार हितेश रारा उपस्थिति जनो ने पोस्टर विमोचन कर बरसात के समय आवो अपना फर्ज निभाए प्रकृति कुछ कर्ज चुकाए की भावना से ज्यादा-ज्यादा वृक्षारोपण कर सिगंल युज प्लास्टिक का उपयोग देनिक जीवन मे नही कर पर्यावरण रक्षा मे सहयोग की अपील कर जगह जगह बेनर लगाकर रक्षा का संदेश दिया राजस्व मंत्री जी ने महावीर इन्टरनेशनल संस्था द्वारा जीवदया मानव सेवा पर्यावरण जल ही जीवन है जागरूक कार्यो के प्रति धन्यवाद देकर साधुवाद किया। **-वीर सुभाष पहाडिया**

परिणय सूत्र में बंधे अग्रवाल समाज के 8 जोड़ें

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रसेन महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में सामूहिक विवाह सम्मेलन सांगानेरी गेट स्थित अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में आयोजित हुआ। इस मौके पर समाज के 8 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरूआत की। महासचिव गिरिजा शंकर तुरकाशवाला ने बताया कि इन आठ जोड़ों की सामूहिक बारात अग्रसेन छात्रावास से रवाना होकर तोरण द्वारा तक पहुंची, मार्ग में सभी दुल्हओ ने भगवान अग्रसेन जी के प्राचीन मंदिर में ढोक लगाकर भगवान से आशीर्वाद लिया। बारात में शामिल करीब 500 के आसपास बाराती नाचते-गाते हुए चल रहे थे। बारात का तोरण द्वार पहुंचने पर वैदिक मंत्रो के साथ पवन लश्करी, सतीश मजूमवाला, अरविंद अग्रवाल सुरेश ग्रुप, कैलाश विशन वाला, गिरधारी लाल कागदी, छुट्टन लाल चीनी की बुर्जवाला, सुभाष दम्बी वाला, विष्णु जिंदल, गिरिराज गर्ग, राजेंद्र नारनौली, लालचंद मावा वाला, गोपाल कृष्ण सीपरिया, मनीष अग्रवाल, युवा प्रकोष्ठ के राकेश जिंदल, कुंदन लाल गुप्ता,किशन चूड़ीवाला, दीपक गुप्ता, नितिन बालेवड़ेवाला, सुरेंद्र गर्ग, राजेश गोयल महिला प्रकोष्ठ से दीपिका जैन, कविता गुप्ता, श्वेता अग्रवाल,दीपा अग्रवाल, रितु सिंघानिया, बबीता चूड़ीवाला, डॉ. हेमंत लश्करी, जावित्री विशनजीवाला, गायत्री गुड वाला व बबीता गोयल आदि ने स्वागत किया। महासचिव तुरकाशवाला ने बताया कि इसके बाद सभी जोड़ों का पंडितों ने वैदिक रीति से विवाह सम्पन्न करवाया। समाज की ओर से सभी नव- दंपत्तियों को सोने का टीका, नाक की नथ, कान के टॉप्स,चांदी की पायल,डबल बेड, स्टील अलमारी, कूलर, गैस सिलेंडर,चूल्हा रेगुलेटर, छत का पंखा, मिक्सी जूसर, टेबल फैन, दुल्हन का सुन्दर बेश के साथ ही दुल्हों को ब्रांडेड कंपनी का पूरा सूट सिला हुआ, पार्टी वियर मोती जाल का सेट, के अलावा करीब 200 से ज्यादा आइटम सभी नव दंपतियों को कन्यादान के रूप में दिए गए। विदाई के समय वधू पक्ष की महिलाओं ने मंगल गीत गाकर अपनी लाड़ली को विदा किया। आयोजन में करीब 2 हजार के लगभग समाज बंधुओं ने शिरकत की।

न्यायिक अधिकारी ने मोबाइल वेन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिनांक 13.09.2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से तालुका विधिक सेवा समिति नसीराबाद के द्वारा आज दिनांक 10.06.2025 को न्यायालय परिसर से राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित मोबाईल वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार हेतु मोबाईल वैन को न्यायिक अधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर न्यायिक अधिकारी महावीर सैनी सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मैजिस्ट्रेट नसीराबाद, सुखदेव चौधरी बार अध्यक्ष नसीराबाद व पैनल अधिवक्ता हेमंत कुमार एवं अधिवक्तागण नरेश टांक, सतीश , नवाब कुरैशी, रवीन्द्र शर्मा, दिनेश मेहरा इत्यादि मौजूद रहे। तालुका सचिव ताराचंद ने जानकारी दी कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 13.09.2025 को किया जाना प्रस्तावित है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के निर्देशानुसार न्यायिक अधिकारी महावीर सैनी ने मोबाईल वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

श्री दिगंबर जैन नसिया, ब्यावर में ग्रीष्मकालीन स्वाध्याय शिविर का सफल आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री दिगंबर जैन पंचायती नसिया, ब्यावर में आयोजित 9 दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्वाध्याय शिविर का समापन समारोह अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह शिविर श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति, सांगानेर (जयपुर) के निर्देशन में तथा श्री दिगंबर जैन पंचायत, ब्यावर के आयोजन और आचार्य विद्यासागर स्वाध्याय परिवार के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। शिविर निदेशक कमल रावका ने बताया कि यह आयोजन जैन धर्म के मूल सिद्धांतों अहिंसा, अनेकांतवाद, अपरिग्रह और आत्म-शुद्धि पर आधारित गहन आध्यात्मिक अध्ययन के लिए समर्पित रहा। शिविर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, युवाओं और विद्यार्थियों ने भाग लेकर इसे एक सफल और प्रेरणादायक कार्यक्रम बनाया। शिविर के दौरान प्रवचन, ध्यान, धार्मिक चर्चा, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रतिभागियों में आध्यात्मिक चेतना का संचार किया, साथ ही समाज में एकता और सद्भाव का संदेश भी दिया। समापन समारोह का मुख्य आकर्षण रहा श्रेष्ठी वीर कुमार, कमल कुमार-अनिता, सन्मति-साक्षी रावका द्वारा विद्वानों को चांदी के छत्र और चंवर भेंट कर सम्मानित करना। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। नियमित उपस्थिति दर्ज कराने वाले शिविरार्थियों को विशेष उपहार प्रदान किए गए, जिससे सभी में उत्साह और आनंद का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज ब्यावर के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री दिनेश अजमेरा, तथा कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी विद्वानों का तिलक, माला व साफा पहनाकर बहुमान किया। अध्यक्ष काला ने इस शिविर को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए, इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

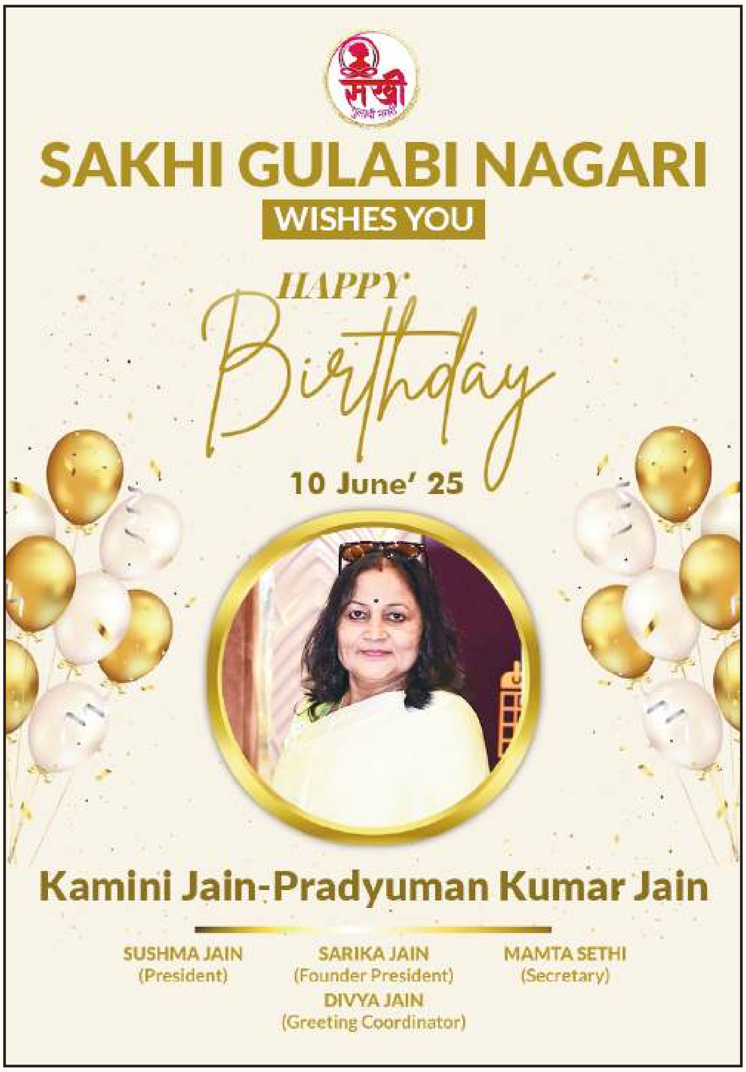

संगिनी मेट्रो की सदस्याओं ने सीखी जीवन बचाने की प्रक्रिया

स्किल लेब ट्रॉमा सेंटर में बेसिक लाइफ सपोर्ट सी पी आर पर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

''बन्धुत्व से प्रेम'' और ''बन्धुत्व के साथ सेवा'' के ध्येय को लेकर मानव सेवा के लिए समर्पित महिलाओं का संगठन संगिनी फारम जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर की सदस्याओं ने जीवन बचाने की प्रक्रिया सीखी। इस मौके पर जैन समाज के गणमान्य लोगों सहित श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के त्रिशला सम्भाग दुर्गापुरा की सदस्याओं ने भी सहभागिता निभाई। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष रेखा पाटनी ने बताया कि विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक रूप से उच्चारण कर इस कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के तत्वावधान में सवाई मान सिंह चिकित्सालय के ट्रोमा सेन्टर स्थित स्किल सेन्टर में आयोजित बेसिक लाईफ सपोर्ट (बीएलएस) एवं कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर)जीवन रक्षक तकनीक को प्रेक्टिकल के माध्यम से राष्ट्रपति अवार्ड द्वारा सम्मानित मास्टर ट्रेनर एवं प्रभारी राजकुमार राजपाल एवं राधे लाल शर्मा ने सिखाया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना के समय अपने आप को सुरक्षित रखते हुए कैसे दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को शिफ्ट करेंगे और साथ ही कार्डियक अरेस्ट होने पर सीपीआर कैसे किसी की जान बचाने के लिए कारगर होता है, विस्तार से समझाया। साथ ही मास्टर ट्रेनर विजेंद्र गुप्ता , राकेश जागा और सीनू सिंघल द्वारा प्रायोगिक रूप से सभी को सीपीआर सिखाया गया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की ओर से अध्यक्ष दिनेश बज, मुख्य समन्वयक के रूप में रोटेरियन नीरज गंगवाल, समन्वयक वर्षा अजमेरा, एम एल सोनी, अजय जैन, संदीप जैन, डॉ लक्ष्मी कान्त गोयल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की निवर्तमान अध्यक्ष अम्बिका सेठी एवं सचिव दीपा गोधा ने बताया कि कार्यशाला में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, त्रिशला सम्भाग की अध्यक्ष चन्दा सेठी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर सम्भागियों का हौसला अफजाई किया। मुख्य समन्वयक रोटेरियन नीरज गंगवाल ने बताया कि रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के तत्वावधान में 27 जुलाई, 2024 से प्रतिमाह तीन से चार ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये जा रहे हैं। इस कार्यशाला में सिखाई गई जीवन रक्षक तकनीकें आपातकालीन स्थितियों में त्वरित और प्रभावी कदम उठाने के लिए उपयोग की जाती है। यह प्रशिक्षण हृदय गति रुकने, पानी में डूबने, सांप द्वारा काटने, बिजली के करन्ट का झटका लगने, घुटन या श्वसन मार्ग में रुकावट, दुर्घटना होने पर फर्स्ट एड देने जैसी आपदाओं के दौरान बहुत ही उपयोगी साबित होती है। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गोधा एवं अध्यक्ष दिनेश बज ने बताया कि रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के सदस्यों के अलावा जैन सोश्यल ग्रुप्स, रोटरी क्लब बापूनगर, जीतो, लायंस क्लब, प्रज्ञा इंस्टीट्यूट, एल बी एस कालेज, आई आई एस कालेज, चार्टर्ड अकाउंटेंटस, आरोग्य भारती के सदस्य, होम्योपैथी एवं यूनानी कॉलेज के छात्रों सहित ताज होटल के स्टाफ आदि के 40 ट्रेनिंग प्रोग्राम में 2500 से अधिक व्यक्तियों को यह प्रशिक्षण दिया जा चुका है। चार घंटे का यह प्रशिक्षण लेने वाले व्यक्ति को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में सवाई मानसिंह अस्पताल के डॉ मनीष अग्रवाल, डॉ गिरधर गोयल जो ट्रोमा स्किल लेब के नोडल आफिसर है, की भी सक्रिय भूमिका रहती है।

ध्यान केंद्र का मनाया तृतीय लोकार्पण दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी व गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के पावन सानिध्य में लोकार्पित बड़े बाबा की प्रतिकृति युक्त भव्य ध्यान केंद्र का तृतीय लोकार्पण दिवस मंगलवार को मनाया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम बिलाला के अनुसार लोकार्पण की पूर्व संध्या पर भगवान आदिनाथ की भक्ति में अड़तालीस दीपक से भक्तामर दीप अर्चना की गई तथा भगवान आदिनाथ की महाआरती की गई। कार्यक्रम में योगेश पाटनी सहित प्रबंध समिति, महिला मंडल, युवा मंच के सदस्यों सहित गणमान्य श्रावकों की उपस्थिति रही।

666 लीटर मिल्करोज का किया वितरण

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री गौ सेवा मित्र मंडल एवं पर्यावरण संरक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 666 लीटर मिल्करोज का वितरण किया। संगठन के मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा के एक दिन पूर्व संगठन द्वारा नर सेवा नारायण सेवा प्रकल्प के तहत सूचना केन्द्र बजरंगी चौराहा, पंचवटी और आजाद नगर सेवा बस्तियों में मिल्करोज वितरण किया गया। संगठन के युवाओं ने सेवा एवं समर्पण भाव दिखाते हुए अपने स्वयं के द्वारा मिल्करोज तैयार किया। इस अवसर पर समाज सेविका रेखा कोठारी, भूपेन्द्र मोगरा, अमन शर्मा, बिलेश्वर डाड, सुनील शर्मा, शुभम सोनी, शुभांशु जैन, प्रीती त्रिवेदी, निधि शर्मा, हृदेश दाधीच, सिद्धार्थ शर्मा, सात्विक शर्मा, हर्षित ओझा, अक्षत व्यास, बाबूलाल टाक, संजय राठी, कमल कोठारी, पवन लोढ़ा, ओमप्रकाश दमामी, मनोज शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंकज आडवाणी: मीडिया प्रभारी 9001999191

जिनवाणी श्रवण करने से जीवन का निर्माण होता है

महुआ. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महुआ नगर में 27 वर्षों के बाद संघ का प्रवेश हुआ है 27 वर्ष पूर्व बिजोलिया में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा संघ सानिध्य में हुई थी अभी पुनः कुछ दिनों पूर्व बिजोलिया में पंचकल्याणक संपन्न कर संघ का महुआ में आगमन हुआ है। 27 वर्ष पूर्व संघ सानिध्य में सिद्धचक्र मंडल विधान हुआ था तथा लगभग एक माह का प्रवास भी तब हुआ था। 27 वर्ष पूर्व समाज में संस्कारों का बीजारोपण पाठशाला के रूप में हुआ था अनेक नगरों में पाठशाला चलती है, बंद हो जाती है किंतु यह प्रशंसा की बात है कि महुआ में पाठशाला निरंतर चल रही है, यद्यपि पाठशाला में छोटे बच्चे ज्ञान प्राप्त करते हैं किंतु यहां पर लगातार कई वर्षों से पाठशाला संचालक न केवल बच्चों को वरन बड़ों को भी स्वाध्याय कराते हैं ।पाठशाला से ज्ञान प्राप्त होता है जिनवाणी तीर्थंकर द्वारा प्रतिपादित धर्म और देशना है ।यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने महुआ नगर प्रवेश पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि पाठशाला में प्राप्त ज्ञान और संस्कार से जीवन का निर्माण होता है यहां पर बच्चों महिलाओं द्वारा प्रवेश के समय भक्ति की गई है जो उत्साह और भक्ति आपने दिखाई है यह सब नगर के मूल नायक श्री आदिनाथ भगवान और चंद्र प्रभु भगवान का अतिशय हैं। जीवन में जन्म और मृत्यु से परिवर्तन होता है। तीर्थंकर जैन कुल में जन्म लेकर भगवान के दर्शन आराधना करके पाप का प्रक्षालन कर पुण्य की प्राप्ति कर सकते हैं । जिनवाणी के श्रवण से जीवन का निर्माण होता है। जिनवाणी सभी के लिए हितकारी है पारसोला चातुर्मास के बाद से अनेक नगरों ने संघ से वर्ष 2025 चातुर्मास हेतु निवेदन किया है किंतु संघ ने अभी तक चातुर्मास स्थल का कोई निर्णय नहीं किया है ,पर जल्द ही चातुर्मास स्थल का निर्णय लेंगे। नगर छोटा हो या बड़ा हो किंतु भावना छोटी नहीं होती है आप लोग धार्मिक संस्कारों से देव शास्त्र गुरु की भक्ति करते हैं चलते-फिरते तीर्थ आचार्य साधु परमेष्ठि के दर्शन करते हैं संत गुरु सानिध्य से जीवन में धर्म और संस्कार प्राप्त होते हैं। इसके पूर्व आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 36 साधुओं सहित महुआ नगर में प्रवेश हुआ नगर की संपूर्ण समाज ने भक्ति उत्साह के साथ संघ की मंगल अगवानी की ।जगह-जगह आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर आरती उतारी गई। अनेक नगरों ने धर्म सभा में उपस्थित होकर अपने क्षेत्र नगर में आचार्य संघ से चातुर्मास करने हेतु निवेदन किया ।सौभागशाली परिवार द्वारा आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की गई।

Scanned by Camera Scanner

कबीर की सामाजिक सौहाद्रता आज भी प्रासंगिक

पदमचंद गांधी@9414967294

आज हमारी पौराणिक सामाजिक व्यवस्थाएं बदल चुकी है। सामाजिक नियम प्रबंध प्रायः समाप्त हो चुके हैं। सामाजिक अंकुश, न्याय ,पंचायत व्यवस्थाए गौण हो चुकी है। व्यावसायिक कार्य पद्धति, व्यापार एवं प्रोफेशनलिज्म के आधार पर समाज की परिभाषाएं बन रही है। क्षेत्र ,जाति ,भाषा एवम विशिष्ट व्यवसाय केआधार पर, क्लबो के माध्यम से सामाजिक संरचनाएं बन रही है । मनुष्य सामाजिक प्राणी आवश्यक है लेकिन बदलते परिवेश में नई-नई समस्याएं एवं विकृतियों ने जन्म ले लिया है ।ऐसी परिस्थितियों में संत कबीर दास जी की सामाजिक सौहाद्रता जो धरातल को स्पर्श करने वाली है ,आडंबर रहित, सहज एवं सरल है इसलिए उनकी शिक्षाएं और सामाजिक चिंतन आज भी प्रासंगिक है ।उनकी शिक्षाएं हमें समानता, भाईचारा और सामाजिक न्याय के लिए प्रेरित करती है। उनके संदेश हमें समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाने और एक बेहतरीन दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करते है। उन्होंने अपने काव्य के माध्यम से सामाजिक बुराइयों और पाखंड के खिलाफ आवाज उठाई तथा समानता और मानव कल्याण का संदेश दिया। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव तथा ऊच नीच के भेद को मिटाने का प्रयास किया। कबीर का अवतरण (वि सं 1398) उस कालखंड में हुआ जब समाज विच्छृखलताओं से गुजर रहा था। सामंतवादी ढांचा रूढ़ियों के चलते वेग हीन हो गया। शोषण कि प्रवृत्ति तीव्र गति से बढ़ रही थी। इस्लामिक संस्कृति ने सामाजिक जटिलताओं को और अधिक जटिल बना दिया। जिससे सामंतवादी जडे और गहरी हो गई। सामंतवादी ढांचे के शोषण का मूल आधार देहवाद तथा अर्थवाद था तथा नारी स्वतंत्रता अपदस्थ हो गई। वह केवल विलासिता की वस्तु मात्र रह गई। कबीर का जन्म उन परिस्थितियों में हुआ जहां समाज घोर निराशा और अंधकार से घिरा हुआ था। अंधविश्वास, छुआछूत, वर्ण व्यवस्था अपने चरण सीमा पर थी। कबीर ने कभी औपचारिक शिक्षा ग्रहण नहीं की। अनपढ़ होते हुए भी साधु-संतों तथा फकीरों की संगत से कई योग ,उपनिषद् आदि का ज्ञान प्राप्त कर लिया। वे लिखना नहीं जानते थे। अपने शिष्यों के द्वारा काव्य का संग्रह करवाया। उन्होंने 15 वर्ष की आयु में अपने आप को समझ लिया और जान लिया तेरा जीवन महान प्रयोजन के लिए है ऐसा सोचकर समाज में जागृति की अलक जगायी। उनकी वाणी में कल्पना,ज्ञान और साधना का भंडार था । उन्होंने आत्मा को स्त्री तथा परमात्मा को परम पुरुष मानकर आध्यात्मिक रहस्यवाद की उच्च कोटि की रचना की ।इसलिए संत कबीर को रहस्यवादी कवि के नाम से जानते हैं।उनके काव्य पर शोध हुई ग्रंथ रचे गए । काव्य की साहित्यिक विरासत में से 226 दोहे गुरु ग्रंथ साहिब में सम्मिलित किये।रविंद्र नाथ ठाकुर ने उनके अनेक दोहों को अंग्रेजी में अनुवाद कर विश्व पटेल पर पहचान बनाई। हिंदी में बाबू श्याम सुंदर दास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी आदि अनेक विद्वानों ने उनके साहित्य साधना पर ग्रंथ लिखे। कबीर दास जी ने समाज में व्याप्त कर्मकांड दिखावा एवं आडंबरों को गलत बताया तथा यथार्थ को स्वीकार करते हुए सदैव धरातल से जुड़े रहे। उन्होंने सदैव सहजता के लिए सत्य और ज्ञान पर बल दिया। ईश्वर प्रेम और भक्ति पर बल देते हुए कहा कि- वह सभी में समाया हुआ है जिसे प्रेम एवं भक्ति से प्राप्त किया जा सकता है। सभी को प्रेम एवं सद्भाव से रहने का संदेश देते हुए कहा पोथी पढ़-पढ़ जग मुआ पंडित भया न कोय। ढाई अक्षर प्रेम का पड़े स पंडित होय। संत कबीर ने समाज के पाखंड एवं दिखाए को कटाक्ष करते हुए लिखा माला फेरत जग मुआ, फिरा न मन का फेर ।कर का मनका डारी दे मन का मनका फेर। इस प्रकार माला फेरने के बजाय मन के भावों को शुद्ध बनाने की

बात कही। संप्रदायवाद एवं जातिवाद का विरोध करते हुए कहा कि जाति न पूछो साधु की ,पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का पड़ी रहन दो म्यान। यह लाइन स्पष्ट संकेत करती हैं की जाति के बजाय ज्ञान एवं गुण को जानने का प्रयास करें। सामाजिक विकृतियों को देखकर उन्होंने मानवतावाद, सर्वात्मवाद, अद्वैतवाद की दृष्टि से समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा चलती चक्की देख कर, दिया कबीरा रोय। दो पाटन के बीच में ,सबुत भया न कोय। अतः जब तक व्यक्तिवाद का समष्टिवाद में विलय नहीं होगा तब तक अपेक्षित सामाजिक व्यवस्थाओं को हम प्राप्त नहीं कर सकते ।समाज के पतन की जड़ वर्ग भेद एवं जाति भेद में निहित है । इस प्रकार कबीर ने टूटते हुए समाज के लिए नई दिशा प्रशस्त की। उन्होंने धर्म को रोटी का माध्यम नहीं बनाया जो आध्यात्मिक ईश्वर को रोटी का माध्यम बनाकर लोगों को ठगता है वह उन्हें स्वीकार नहीं था। शरीर की क्षणभंगुरता को स्पष्ट करते हुए लिखा है पानी केरा बुदबुदा, उस मानस की जात ।एक दिन छिप जाएगा जो तारा परभात। अर्थात मानव जीवन की सच्चाई पानी के बुलबुले की तरह है जैसे प्रभात के होते ही तारे छुप जाते हैं वैसे ही जीवन कभी भी समाप्त हो सकता है। फिर भी मनुष्य मोहनिय संसार की चकाचौंध जो केशु के फूलों के समान लालायित करने वाली है जो वास्तव में जलती हुई अग्नि के लाल अंगारों के रूप में दिखने वाले फूलों पर चलने के समान है जहां केवल दुःख ही दुःख है फिर भी वह हमें सुंदर लगता है। यह भाव संसार के असारता को समेटे हुए हैं, इसे समझना चाहिए। मानव को सच्चा सुख संतोष में मिलता है शील सदाचार में मिलता है। इसलिए उन्होंने कहा है सीलवंत सबसे बड़ा सर्व रतन की खानी ।तीन लोक की संपदा ,रही सील में आनी। इस प्रकार स्पष्ट कबीर ने सामाजिक सौहाद्रता को अपने काव्य के माध्यम से बढ़ाया जो आज भी जीवन को उन्नत बनाने वाला, मानवतावादी, विश्व बंधुत्व की भावना को जगाने वाला ,विश्व प्रेम का प्रचारक, प्राणी मात्र के प्रति प्रेम का संचार करने वाला है। उनके उच्च कोटि के सुधारात्मक तथा निर्गुण भक्ति की भावना आज भी प्रासंगिक है।